ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 41 **अंक 4** **अक्तूबर 2017**

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1. प्राइवेट ट्यूशन — लक्ष्मी नारायण मित्तल — 5
   विश्लेषण और विचार
2. तुलसीदास कृत रामचरित मानस में वर्णित व्याख्यान विधि — रत्ना गुप्ता — 11
   सुरुचिपूर्ण छात्र-अधिगम के लिए रामबाण
3. शिक्षा का अधिकार अधिनियम — प्रदीप कुमार — 17
   एक साहित्यिक समीक्षा
4. किताब पढ़ने की ललक — रजनी सिंह — 32
5. सृजन के मधुर गीत गाता एक विद्यालय — प्रमोद दीक्षित 'मलय' — 37
6. विद्यार्थी जीवन की यादें — सुधा रानी तैलंग — 43
7. भाषा विकास की प्रक्रिया — सीमा — 47
   एक मनोसामाजिक संदर्भ
8. पं. मदन मोहन मालवीय का शैक्षिक चिंतन एवं उसकी उपादेयता — त्रिभुवन मिश्रा — 55
9. बच्चों की व्यवहार संबंधी समस्याएँ और प्रबंधन — कृष्ण चंद्र चौधरी — 62

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी NCERT
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

10. शिक्षा में कठपुतली — कविता बिष्ट — 72
मेरे शब्द मेरी शक्ति — अवधेश कुमार लवानियाँ

11. बच्चों की आयु अनुसार कक्षा में प्रवेश (आर.टी.ई. 2009) — सरला वर्मा — 80
एक परिचय

12. प्राथमिक स्तर पर गणित अध्यापन — पद्मा यादव — 85
एक से नौ तक की संख्याएँ

13. अनजान सफ़र की मंज़िल — आकांक्षा भटनागर — 93

14. बच्चों के अनुभव और हिंदी पाठ्यपुस्तकें — अभिलाषा बजाज — 97

विशेष

15. सीखने के प्रतिफल (कक्षा 1 से 8 तक) — 103

बालमन कुछ कहता है

16. मेरा प्रिय विषय — देवांशी शर्मा — 141

कविता

17. चींटी और साँप — सुनील कुमार वत्स — 142